CHETANA
International Journal of Education
(CIJE)
Peer Reviewed/Refereed Journal
(ISSN: 2455-8729 (E) / 2231-3613 (P))
Impact Factor
SJIF 2023 - 7.286

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

आलेख

Received 16.01.2023 | Reviewed 18.01.2023 | Accepted 30.01.2023

पर्यटन उद्योग का राजस्थान पर सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव

* आशीष टांक

मुख्य शब्द : *संस्कृति, तीर्थस्थल, आधारभूत संरचना, शिल्पकला, हथकरघा आदि.*

प्रस्तावना

राजस्थान को पर्यटन के क्षेत्र में न केवल देश में अपितु विश्व पर्यटन मानचित्र पर प्रमुखता से जाना जाता है। राजस्थान को सदियों से अपनी गौरवगाथा, कला एवं संस्कृति, तीर्थस्थल, प्राकृतिक सौन्दर्य, पशु–पक्षी अभ्यारण्य एवं ऐतिहासिक स्थलों के कारण देश–विदेश में सराहा जाता है। यहीं कारण है कि राजस्थान आये बिना पर्यटकों की भारत पर्यटन यात्रा अधूरी रहती है।

पर्यटन विश्व में सबसे बड़े उद्योग के रूप में उभरा है, जिसकी वृद्धि दर भी सर्वाधिक है। अन्य आर्थिक सेक्टरों की तुलना में पर्यटन में निवेश से सर्वाधिक प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रोजगार सृजित होता है। साथ ही इससे बहुमूल्य विदेशी मुद्रा का अर्जन भी होता है। प्रदेश के आर्थिक विकास में पर्यटन के महत्व को देखते हुये राज्य सरकार ने पर्यटन विकास एवं पर्यटन को जन उद्योग बनाने की दिशा में अनेक कारगर कदम उठाये है। राजस्थान में पर्यटन को व्यावसायिक स्वरूप दिया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा हाल के वर्षों में पर्यटन क्षेत्र के लिये अनेक सुविधाएं एवं रियायतें प्रदान की है। पर्यटन क्षेत्र को और अधिक विकसित करने के लिये सरकारी एवं गैर सरकारी दोनों क्षेत्रों द्वारा रचनात्मक प्रयास किये जा रहे हैं।

पर्यटन स्थलों का विकास

विभाग द्वारा प्रतिवर्ष राज्य के पर्यटक स्थलों पर स्मारकों के संरक्षण एवं पर्यटकों को आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु अधिसंरचनात्मक विकास कार्य कराये जा रहे है। इस हेतु विभाग की निम्न योजनाएं संचालित है –

पर्यटक स्थलों का विकास एवं संरक्षण

राज्य में पर्यटक स्थलों का विकास एवं संरक्षण योजनान्तर्गत प्रमुख पर्यटक स्थलों पर आधारभूत संरचना के विकास कार्य करवाये जाते है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य पर्यटक गंतव्यों एवं परिपथों पर उत्तम पर्यटन अवसंरचना का विकास एवं संवर्द्धन करना है। इसके तहत विकास कार्य यथा ट्यूरिस्ट फेसिलिटी सेन्टर, पीने के पानी की सुचारू व्यवस्था, साईनेजेज, बैंचेज, लाईटिंग, सौन्दर्यकरण एवं जीर्णोद्धार आदि करवाये जा रहे हैं।

विभाग द्वारा वर्ष 2015–16 से 2020–21 (दिसम्बर, 2020) तक पर्यटक स्थलों के विकास एवं संरक्षण हेतु व्यय की गई राशि का वर्षवार विवरण निम्न प्रकार है –

पर्यटक स्थलों के विकास एवं संरक्षण योजनान्तर्गत व्यय की गई राशि (राशि रू. लाखों में)

वर्ष	प्रावधान राशि	व्यय राशि
2015–16	3438.04	3069.12
2016–17	2397.89	1397.17
2017–18	2987.04	2699.70
2018–19	2856.19	2168.36
2019–20	1893.30	975.18
2020–21 (दिसम्बर, 2020 तक)	4898.80	469.75

राज्य योजनान्तर्गत स्वीकृत पर्यटन विकास कार्यों का विवरण (राशि रू. लाखों में)

क्र. सं.	कार्य का विवरण	कार्यकारी एजेन्सी का नाम	स्वीकृत वर्ष	स्वीकृत प्रोजेक्ट राशि	मार्च, 2020 तक कुल व्यय राशि	दिस. 2020 तक कार्यकारी एजेन्सी को निर्मुक्त/ हस्तान्तरित राशि	दिसम्बर 2020 तक व्यय राशि
1.	ईको–टूरिज्म बर्ड,पार्क, गुलाब बाग, उदयपुर	RSRDC	2016–17	800.00	300.00	100.00	100.00
2.	श्री हनुमान मंदिर (काबरियां बाबा), खींरवा, जयपुर का सौन्दर्यकरण, सम्पर्क सड़क एवं अन्य विकास कार्य	PWD	2017–18	150.00	116.76	37.50	10.50
3.	रंगमा तालाब, करौली	A & M	2017–18	225.00	166.12	10.50	0.00
4.	धुंधेश्वरधाम, गंगापुर सिटी, सवाईमाधोपुर के विकास	A & M	2017–18	364.00	289.85	22.85	0.00
5.	शिखर महल, करौली के विकास	A & M	2017–18	338.00	246.39	10.04	0.00
6.	राव अमर सिंह राठौड़ की छतरी, झडा तालाब व बावड़ी का संरक्षण, जीर्णोद्धार एवं विकास, नागौर	A & M	2017–18	110.00	54.22	15.00	15.00
7.	तिमनगढ़ किला करौली का संरक्षण विकास कार्य	A & M	2017–18	200.00	156.60	3.00	0.00
8.	ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक स्थल गढ़मोरा, नादौती, करौली के धार्मिक स्थलों का विकास	A & M	2017–18	200.00	48.22	45.00	20.00
9.	प्राचीन सरोवर मोहन सागर, ग्राम मुहाना सांगानेर, जयपुर	A & M	2018–19	30.12	15.01	5.23	5.23
10.	धार्मिक पर्यटन स्थल बाबा बोगन एवं सोमेश्वर महादेव मंदिर, सीकर को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने तथा ग्राम हापास से डोटासरा तक पथ	PWD	2018–19	150.00	140.00	4.43	6.26

	निर्माण						
11.	शिव मंदिर समूह खिरवां, जयपुर में पर्यटन विकास कार्य एवं स्वामी की ढाणी से यादवों की ढाणी तक सम्पर्क सड़क का निर्माण	PWD	2018–19	259.42	165.00	37.23	29.57
12.	चन्द्रसेल मठ, कोटा के जीर्णोद्धार एवं मरम्मत कार्य	A&M	2018–19	250.00	49.96	40.00	0.00
13.	रानीसती मंदिर, पाटोदा, लक्ष्मणगढ़, सीकर हेतु केसर की ढ़ाणी से राजकीय अस्पताल तक सम्पर्क सड़क कार्य	PWD	2018–19	46.23	40.17	5.78	0.00
14.	श्री बालाजी मंदिर जयपुर हेतु विजयगोविन्दपुरा से मुरलीपुरा सम्पर्क सड़क	PWD	2018–19	55.17	45.54	7.65	0.00
15.	जयपुर में स्थित श्री जाल वाले बालाजी, भैंसलाना में पर्यटन विकास एवं सम्पर्क सड़क का निर्माण	PWD	2018–19	232.80	134.91	80.00	40.00
16.	रघुनाथ धाम कोछोर एवं रेवासा धाम में यात्रिका मरम्मत व बालाजी मंदिर गोविन्दपुरा, पलसाना, सीकर का जीर्णोद्धार अन्य विकास कार्य	PWD	2019–20	151.71	0.00	30.00	30.00
17.	दरियाव जी आश्रम, रेण, मेड़तासिटी, जिला नागौर में विभिन्न विकास कार्य	PWD	2019–20	150.00	18.53	40.00	20.68
18.	मां चामुण्डा माता मन्दिर, पैंघोर, कुम्हेर, भरतपुर	PWD	2019–20	200.00	0.00	50.00	41.77
19.	श्री रघुनाथ जी मंदिर, ग्राम मुरलीपुरा भोजपुरा खुर्द एवं करणसर, जयपुर जीर्णोद्धार एवं विभिन्न विकास कार्य	PWD	2019–20	125.00	0.00	95.00	69.95
20.	गुलाबदास जी की बगीची, रामलीला मैदान, सीकर	PWD	2019–20	50.00	0.00	1.00	0.00
21.	मस्तरामबाबा धाम, बीदासर माताजी मंदिर पीपली मालदास बाबा धाम, राजपुरा व गोगापीर धाम यालसर के विभिन्न नवीन पर्यटन विकास कार्य	PWD	2019–20	200.01	0.00	100.00	50.00
22.	प्रवेश द्वार, डीग एवं जवाहर प्रदर्शनी मेला ग्राउण्ड, डीग का विकास कार्य	PWD	2019–20	250.00	0.00	50.00	25.81
23.	लक्ष्मणगढ़, सीकर में	Forest	2019–20	1359.00	0.00	50.00	0.00

	इकोलॉजी पार्क के पर्यटन विकास कार्य						
24.	लोक देवता खेमा बाबा बायतू, बाड़मेर एवं लोक देवता रामदेव जी की जन्म स्थली ग्राम काश्मीर, तहसील शिव, बाड़मेर विकास कार्य	PWD	2019–20	425.00	0.00	30.00	0.00
25.	शिल्पग्राम, पुष्कर, अजमेर में बाउन्ड्रीवॉल का मरम्मत कार्य	RTDC	2019–20	4.98	0.00	4.98	4.98
		कुल योग		**6326.44**	**2025.42**	**889.19**	**469.75**

ग्रामीण पर्यटन का विकास

ग्रामीण पर्यटन के विकास की योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्थानों की कला, संस्कृति, शिल्पकला, हथकर्घा व प्राकृतिक वातावरण को एक परिसम्पत्ति आधार के रूप में प्रदर्शित करना है। ग्रामीण पर्यटन आर्थिक एवं सामाजिक रूप से स्थानीय समुदाय के साथ–साथ पर्यटकों और स्थानीय आबादी के मध्य पारम्परिक रूप से एक समर्थ अनुभव स्थापित करने का माध्यम है। वर्तमान में ग्रामीण पर्यटन के तहत पर्यटन की क्षमता वाले ग्रामीणं क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास हेतु विभिन्न कार्य करवाये जा रहे हैं।

विभाग द्वारा वर्ष 2015–16 से 2020–21 (दिसम्बर, 2020) तक ग्रामीण पर्यटन के विकास की योजनान्तर्गत व्यय की गई राशि का वर्षवार विवरण निम्न प्रकार है –

ग्रामीण पर्यटन के विकास की योजना के अन्तर्गत व्यय की गई राशि (राशि रू. लाखों में)

वर्ष	प्रावधान राशि	व्यय राशि
2015–16	2614.18	2050.51
2016–17	1538.45	1277.31
2017–18	624.90	392.40
2018–19	571.00	326.92
2019–20	430.63	85.72
2020–21 (दिसम्बर, 2020 तक)	1020.16	456.16

राज्य योजनान्तर्गत स्वीकृत ग्रामीण पर्यटन विकास कार्यों का विवरण (राशि रू. लाखों में)

क्र. सं.	कार्य का विवरण	कार्यकारी एजेन्सी का नाम	स्वीकृत वर्ष	स्वीकृत प्रोजेक्ट राशि	मार्च, 2020 तक कुल व्यय राशि	दिस. 2020 तक कार्यकारी एजेन्सी को निर्मुक्त/ हस्तान्तरित राशि	दिसम्बर 2020 तक व्यय राशि
1.	सांभर प्रोजेक्ट, जयपुर	PWD/A&M	2013–14	3765.00	3231.03	150.00	150.00
2.	मालकोट दुर्ग, मेड़ता सिटी, नागौर के विकास	A&M	2017–18	237.00	139.67	35.00	29.74
3.	बत्तीस खम्भों की छतरी, माण्डल, भीलवाड़ा	A&M	2017–18	50.00	31.57	7.91	0.00
4.	श्री जगदीश धाम मंदिर कैमरी, तहसील नादौती के	A&M	2018–19	50.00	35.00	12.25	7.05

	मंदिर परिक्रमा मार्ग व मंदिर परिक्रमा मार्ग व मंदिर प्रांगण में सुविधाओं के विकास						
5.	लोक देवता तेजाजी पेनोरमा, खरनाल, जिला नागौर	RHPPA	2018–19	46.92	20.00	15.00	15.00
6.	श्री पाबूजी मंदिर कोलू, जोधपुर का विकास एवं जीर्णोद्धार कार्य	A&M	2018–19	250.00	118.37	37.57	30.00
7.	खींचन ग्राम, जोधपुर में विभाग को आवंटित 12 बीघा भूमि को (प्रवासी पक्षियों में बैठने की जगह) पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने साइबेरियन क्रेन (कुरंजा पक्षी) की सुरक्षा बाबत् चार दिवारी व विकास कार्य	Forest	2018–19	94.12	0.00	60.00	29.86
8.	श्री ठाकुर जी का मंदिर, शिव मंदिर, तेजाजी मंदिर, ड्योढ़ी एवं खक बाबा करणसर जयपुर का जीर्णोद्धार विकास कार्य	PWD	2019–20	175.00	0.00	70.00	20.00
9.	श्री धाभाई जी का मंदिर, द्वितीय कोटा के जीर्णोद्धार व अन्य पर्यटन विकास कार्य, श्री बालाजी मंदिर, छत्रपुरा ग्राम पंचायत अयाना तह. पीपलदा, कोटा के जीर्णोद्धार व अन्य पर्यटन विकास कार्य।	PWD	2019–20	100.00	0.00	30.00	25.59
10.	श्री पूरणभक्त धाम मीरण, लक्ष्मणगढ़, सीकर में पर्यटन विकास कार्य, संत शिरोमणि श्री कृपारामजी धाम, सुतोद, लक्ष्मणगढ़, सीकर में पर्यटन विकास कार्य, श्री लोठ स्मारक बठोठ, लक्ष्मणगढ़, सीकर में पर्यटन विकास कार्य। श्री जी मंदिर, हापास, सीकर विकास कार्य, बाबा बोगन एवं सोमेश्वर महादेव, पाटोदा,	PWD	2019–20	274.97	0.00	80.00	79.96

	सीकर के विकास कार्य						
11.	गंगलाव तालाब का विधान सभा क्षेत्र सरदारपुरा, जोधपुर के मानसागर पार्क की तर्ज पर पर्यटन विकास कार्य	PWD	2019–20	110.00	0.00	35.00	22.32
12.	माण्डल तालाब की पाल पर बने ऐतिहासिक भवनों का संरक्षण व जीर्णोद्धार, चंपा बाग की बावड़ी–करड़ा एवं सुवाणा तालाब, भीलवाड़ा की पाल पर प्राचीन छतरी के संरक्षण, जीर्णोद्धार एवं पर्यटन विकास कार्य	A&M	2019–20	150.00	0.00	10.00	0.00
13.	लोहागढ़, भरतपुर में लाईट एण्ड साउण्ड शो	RHPPA	2019–20	250.00	0.00	30.00	30.00
14.	हाथी गांव परियोजना, जयपुर	Forest	2019–20	500.00	0.00	50.00	16.64
15.	अजीत म्यूजियम, फतेह विलास, खेतड़ी, झुन्झुनूं में लाईट एण्ड साउण्ड शो	RTDC	2019–20	90.00	0.00	20.00	0.00
		कुल योग		**6143.01**	**3575.64**	**642.73**	**456.16**

भारत सरकार के सहयोग से संचालित विकास योजनाए

- पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पर्यटकों को विश्वस्तरीय मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं रोजगार के नये अवसर उपलब्ध कराने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। जिसके अन्तर्गत पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निम्न सर्किट स्वीकृत किए गये है –

क्र.सं.	**योजना का नाम**	**प्रोजेक्ट का नाम**	**प्रोजेक्ट में स्वीकृत राशि** (राशि रू. लाखों में)
1.	स्वदेश दर्शन	हैरिटेज सर्किट	9092.40
2.	स्वदेश दर्शन	आध्यात्मिक सर्किट	9390.12
3.	स्वदेश दर्शन	कृष्णा सर्किट	7580.19
4.	स्वदेश दर्शन	सांभर टाउन एवं आसपास के क्षेत्र का विकास कार्य	6396.37
5.	प्रसाद	पुष्कर–अजमेर का समग्र विकास	3264.16

उक्त स्वीकृत प्रोजेक्टों में सांभर टाउन एवं आसपास के क्षेत्र का विकास कार्य पूर्ण हो गया है एवं पुष्कर–अजमेर का समग्र विकास प्रोजेक्ट के कार्य पूर्णता पर है। शेष प्रोजेक्ट में कार्य प्रगति पर है।

- पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार की स्वदेश दर्शन योजनान्तर्गत निम्न प्रोजेक्टों की विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट स्वीकृति हेतु पर्यटन मंत्रालय, भार सरकार को प्रेषित की गयी है –

  ईको–एडवेंचर सर्किट – ईको–एडवेन्चर सर्किट में अलवर, चित्तौड़गढ़, धौलपुर, जयपुर, जैसलमेर, राजसमंद, जोधपुर, कोटा, सिरोही एवं उदयपुर जिले के कार्य शामिल हैं।

  डेजर्ट सर्किट – डेजर्ट सर्किट में जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर एवं बाड़मरे जिले के कार्य शामिल हैं।

  वाईल्ड लाईफ सर्किट – वाईल्ड लाईफ सर्किट में अलवर, जयपुर, प्रतापगढ़, सिरोही, राजसमंद, धौलपुर एवं करौली जिले के कार्य शामिल हैं।

  ट्राईबल पर्यटन सर्किट – ट्राईबल पर्यटन सर्किट (संशोधित) में बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर एवं प्रतापगढ़ जिले के कार्य शामिल हैं।

  डीग–कुम्हेर–भरतपुर सर्किट – डीग–कुम्हेर–भरतपुर सर्किट में भरतपुर जिले के कार्य शामिल हैं।

  शेखावार्टी सर्किट अन्तर्गत ग्रामीण पर्यटन – शेखावाटी सर्किट में सीकर एवं झुंझुनूं जिले के कार्य शामिल हैं।

पर्यटक सहायता बल

पर्यटक सहायता बल योजना पर्यटन विभाग द्वारा वर्ष 2000–01 में प्रारम्भिक तौर पर शुरू की गई। प्रारम्भ में पुलिसकर्मियों की पर्यटन सहायता बल में तैनानी की गई थी, किन्तु कुछ समय पश्चात् पुलिस विभाग द्वारा पुलिस कर्मियों की सेवाएं पर्यटक सहायता बल से वापस हटा ली गई। तत्पश्चात् वर्ष 2002 में पर्यटन विभाग द्वारा सैनिक कल्याण बोर्ड के माध्यम से भूतपूर्व सैनिकों को पर्यटक सहायता बल में तैनात किया गया था।

वर्तमान में पर्यटन विभाग द्वारा राजस्थान एक्स सर्विसमैन कॉरपोरेशन लि. REXCO (राजस्थान सरकार का उपक्रम) के माध्यम से भूतपूर्व सैनिकों को पर्यटक सहायता बल में तैनात किया जाता है। पर्यटक सहायता बल में राज्य के 11 जिलों में 125 संख्या बल स्वीकृत है।

राजस्थान पर्यटन नीति, 2020

राज्य में पर्यटन को प्रोत्साहित करने तथा नवीन एवं अनुभवजन्य पर्यटन उत्पादों के माध्यम से राज्य को पसंदीदा व अग्रणी पर्यटक गंतव्य स्थल बनाए जाने के उद्देश्य से अधिसूचना दिनांक 09 सितम्बर, 2020 के द्वारा 'राजस्थान पर्यटन नीति 2020' को राज्य में लागू किया गया है। इसके अन्तर्गत गाईडलाइन्स/योजनाएं तैयार की जा रही है।

राजस्थान पर्यटन इकाई नीति–2015

- राजस्थान पर्यटन इकाई नीति, 2015 की कार्यशील अवधि को अधिसूचना दिनांक 31/05/2020 के द्वारा आगामी दो वर्ष यथा दिनांक 31/05/2020 तक के लिए बढ़ाई गई है।
- पर्यटन इकाईयों के संचालन हेतु आवश्यक समस्त प्रकार के लाईसेन्स की समय सीमा 10 वर्ष निर्धारित की गई।
- RIPS–2019 के अन्तर्गत Tourism Sector को Thrust Sector घोषित कर पर्यटन क्षेत्र के उपक्रमों को अधिक लाभ दिये गये हैं। इसके अतिरिक्त Tourism Sector की Enterprises को सम्परिवर्तन शुल्क तथा विकास शुल्क में शत–प्रतिशत छूट दी गई है।

पर्यटक उद्ध्योग की उपलब्धिया

1. राज्य सरकार के जनघोषणा पत्र के बिन्दु संख्या 18.4 'प्रदेश के प्रमुख पर्यटक स्थलों की सुरक्षा हेतु पर्यटन पुलिस तैनात करना व विशेष प्रशिक्षण दिया जाना' के क्रम में पर्यटक सहायता बल में तैनात टैफ कर्मियों राजस्थान पुलिस अकादमी के माध्यम से दिनांक 16.09.2019 से 21.09.2019 तक आयोजित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण दिलवाया गया तथा

इसी क्रम में पर्यटन निदेशालय, मुख्यालय जयपुर में दिनांक 15 व 16 सितम्बर, 2020 को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जाकर राज्य के सभी टैफ कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया।

2. राजस्थान पर्यटन व्यवसाय (सुकरण और विनिमियन) अधिनियम एवं नियम, 2010 तथा अधिसूचनाएं के तहत समय–समय पर अभियान चलाकर लपकों के विरूद्ध कार्यवाही की जाती है। वर्ष 2020 (जनवरी से दिसम्बर) में 179 लपकों के विरूद्ध कार्यवाही की गई।

3. टैफ कर्मियों को T.R.C. सेन्टरों के मोबाईल ग्रुप से जोड़कर समस्त राजस्थान में टैफ सुरक्षा बल की ड्यूटी स्थल पर नजर रखी जा रही है। लपकों तथा पर्यटकों के विरूद्ध होने वाले अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये स्थानीय थाना अधिकारियों से समन्वय बनाकर संयुक्त अभियान समय–समय पर चलाया गया।

4. पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित किये जाने वाले त्योहारों व उत्सवों में तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के सेमिनारों में भी टैफ के जवानों की ड्यूटी लगाई गई।

5. कोविड–19 के मध्यनजर लॉकडाउन के समय व तत्पश्चात् भारत सरकार के 'वंदे भारत मिशन' के तहत अन्तर्राष्ट्रीय/घरेलू फ्लाईटों से जयपुर आने वाले प्रवासियों/यात्रियों के अनिवार्य क्वारैन्टाइन संबंधी कार्य में दिनांक 22.05.2020 से निरंतर टैफ कर्मियों द्वारा सहायता प्रदान की जा रही है।

सन्दर्भ सूची

1. कपूर विमल कुमार (2008) पर्यटन प्रबंध एवं मानव विकास रजत प्रकाशन ,नई दिल्ली
2. जैन ,हुकुमचंद एवं माली ,नारायण लाल (2015) राजस्थान का इतिहास ,कला,संस्कृति,साहित्य,परम्परा एवं विरासत ,राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी जयपुर
3. व्यास ,आर.के. (2008) :ग्रामीण पर्यटन एवं टिकाऊ विकास ,अरिहंत प्रकाशन जयपुर
4. व्यास ,राजेश कुमार (2011) ,सांस्कृतिक पर्यटन ,राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी जयपुर
5. शर्मा, अतुल (2012),आर्थिक विकास में पर्यटन का योगदान , इशिका प्रकाशन जयपुर
6. सक्सेना हरिमोहन (2014), राजस्थान का भूगोल ,राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी जयपुर
7. प्रगति प्रतिवेदन (2021-22) पर्यटन विभाग राजस्थान
8. वार्षिक प्रतिवेदन (2021-22) पर्यटन मंत्रालय ,भारत सरकार

Corresponding Author
*** आशीष टांक**
सहायक आचार्य –अर्थशास्त्र
सेठ आरएल सहरिया राजकीय पीजी महाविधालय कालाडेरा ,जयपुर
Email – aashishtank789@gmail.com, Mobile No-9001600325